आज
Facebook Page
Aj Hindi Daily News Paper
Online Edition
ajhindidaily.com

आज

हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय

★ नगर संस्करण पृष्ठ १२ मूल्य ₹ २

आगरा, १४ जनवरी रविवार २०१८ वर्ष ३१ अंक १४ सौर ३० पौष सं. २०७४ वि.

वाराणसी, गोरखपुर, इलाहाबाद (रीवा संस्करण), कानपुर (झांसी संस्करण), लखनऊ, आगरा, बरेली, पटना, रांची (धनबाद संस्करण) तथा जमशेदपुर से प्रकाशित

दीपक मिश्रा कल नाराज जजों से कर सकते हैं मुलाकात

मोदी के दूत से नहीं मिले चीफ जस्टिस

नयी दिल्ली, १३ जनवरी। सुप्रीमकोर्ट में देश के सबसे बड़े पदों पर तैनात जजों में छिड़े आपसी युद्ध में आज भी कोई नया रुख सामने नहीं आया बल्कि प्रधानमंत्री के सचिव नृपेन्द्र मिश्र जब चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा से मिलने पहुंचे तो वे उनसे नहीं मिले। साथ ही सुप्रीमकोर्ट के सूत्रों से पता चला है कि घर की इस लड़ाई को निपटाने के लिए चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा अपने साथी नाराज जजों से कल मुलाकात कर सकते है।

सुप्रीम कोर्ट के 4 जजों की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा को घेरे जाने के बाद अब सुलह की कोशिशें तेज होती दिख रही हैं। शनिवार सुबह पीएम नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया दीपक मिश्रा से मुलाकात का प्रयास किया। हालांकि दोनों की मुलाकात नहीं हो सकी। समाचार के मुताबिक नृपेंद्र मिश्र करीब 5 मिनट तक चीफ जस्टिस के आवास के बाहर खड़े रहे, लेकिन मीटिंग नहीं हो सकी। दूसरी तरफ अटर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने कहा कि उम्मीद है कि पूरा मामला सही ढंग से निपट जाएगा। शुक्रवार को भी अटर्नी जनरल और सीजेआई ने पूरे विवाद पर मीटिंग कर चर्चा की थी। देश के इतिहास में यह पहला मौका था, जब सुप्रीम कोर्ट के जजों ने आंतरिक विवाद को मीडिया के सामने का फैसला लिया। इस बीच पूरे विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट की बार असोसिएशन ने भी शनिवार को शाम को 5 बजे मीटिंग बुलाई है। इस बैठक के बाद असोसिएशन की ओर से 4 जजों के बयान के चलते पैदा हुए हालात के बारे में बात करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की जाएगी।

जजों की ओर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीजेआई पर आरोप लगाने को लेकर बार असोसिएशन के प्रेजिडेंट विकास सिंह ने कहा, यदि वह मीडिया से बात करने के लिए आए ही थे तो उन्हें कुछ ठोस बातें कहनी चाहिए थीं। सिर्फ लोगों के दिमाग में संदेह पैदा करना न्यायपालिका के हित में नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट विवाद फिलहाल खिंचता दिख रहा है. सूत्रों के मुताबिक चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा रविवार शाम चारों जजों से मुलाकात कर सकते हैं. जस्टिस चेलमेश्वर के ऑफिस के सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार को जस्टिस चेलमेश्वर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले बाकी के तीन जज दिल्ली से बाहर हैं, ऐसे में जस्टिस चेलमेश्वर सीजेआई से मिलने को इच्छुक नहीं हैं और ये मुलाकात कल शाम को हो सकती है। बता दें कि चीफ जस्टिस अपने आवास पर मौजूद हैं. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा को शनिवार सुबह सीजेआई आवास के बाहर उनकी कार में देखा गया।

(शेष पृष्ठ ३ पर)

जहरीली चाय पीने से परिवार के चार की मौत

मुजफ्फरपुर, १३ जनवरी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आयी है. जानकारी के मुताबिक एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गयी है. बताया जा रहा है कि चारों लोगों ने जहरीली चाय पी ली थी, उसके बाद उनकी मौत हो गयी। घटना जिले के पारू थाना के वहदीनपुर गांव की बतायी जा रही है. घटना सामने आने के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में भारी संख्या में लोग पीड़ितों के घर के सामने जमा हो गये। मिल रही जानकारी के मुताबिक सभी मृतक एक ही परिवार के लोग हैं।

सुहास आगरा के नये डीएम

पांच जिलाधिकारियों का तबादला

लखनऊ, १३ जनवरी । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शनिवार को सूबे के पांच जिलाधिकारियों का तबादला कर दिया। शासन ने राजशेखर को इलाहाबाद का दोबारा जिलाधिकारी बनाया है। सूत्रों की माने तो सरकार जल्द ही कई और जिलाधिकारियों का तबादला करने वाली हैं। राज्य सरकार ने आज प्रदेश के पांच प्रमुख जिले इलाहाबाद, आगरा, मेरठ, झांसी और रामपुर के जिलाधिकारी बदल दिये। शासन द्वारा जारी तबादला सूची के अनुसार लोक निर्माण विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात राजशेखर को इलाहाबाद का दोबारा जिलाधिकारी बनाया गया है। वहीं इलाहाबाद के वर्तमान जिलाधिकारी सुहास एलवाई को आगरा का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। पूर्ववर्ती सपा सरकार में राजशेखर इलाहाबाद के काफी समय तक जिलाधिकारी रहे। विधानसभा चुनाव के पहले उन्हें वहां से हटाकर लखनऊ का जिलाधिकारी बनाया गया था। दरअसल राजशेखर को जनता से जुड़ा अधिकारी माना जाता है। वह जनहित कार्यों के लिए भी जनता के बीच लोकप्रिय हैं। इसके अलावा अनिल सिंह ढींगरा को मेरठ का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है जबकि वहां तैनात समीर वर्मा को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। महेन्द्र बहादुर सिंह को बांदा से हटाकर रामपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। महेन्द्र बहादुर ने बांदा में खनन माफिया के खिलाफ अभियान चला रखा था। वहीं शिव सहाय अवस्थी को झांसी का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही सुलतानपुर, बस्ती, महोबा, मुजफ्फरनगर, बिजनौर समेत और जिलों के जिलाधिकारियों का तबदला किया जा सकता है।

सादाबाद:एसवीपी स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी

ekMY l e n'k dh ijEijk vkj lH;rk dh >yd fn[kh&Mk-jkor

lknkckn] १३ tuojhA vkxjk jkM fLFkr lV foodkuUn lhfu;j ldl.Mh Ldy e 'kfuokj dk foKku çn'kuh dk vk;ktu gvkA foKku çn'kuh e e[; vfrfFk d :i e vkxjk d,yt vkxjk d çkQlj Mk- vfer jkor o jlk;u foKku d çkQlj Mk- ;knoUæ 'kek ek;tn jgA dk;Øe dk 'kHkkjEHk e[; vfrfFk;k] fo|ky; d çc/kd jke'oj t|loky o ç/kkukpk;l Mk- txnh'k 'kek u ek Ljlorh d Nfofp= d le{k nhi çTTofyr dj o ekY;kil.k dj fd;kA

foKku çn'kuh e Nk=&Nk=kvk u viuh [kkt] çfrHkk o ifjJe d ek/;e l fofHkUu fo"k;k ij cgr gh lnj foKku d e,My cuk,A çn'kuh

e Nk=&Nk=kvk u viu }kjk cuk, x, fofHkUu çdkj d çkstDV tl Mku] jkckV] Øu] okVj lk;dy] lkyj Qu] okVj felkby] vkou] FkhMh bylfDVdy e,My] gkbMk bylfDVd Me] lhoj t VhVeV e,My] gkbMkfyd fcit] oD;e Dyhuj] :e ghVl vkfn dk çn'ku fd;k x;kA e[; vfrfFk Mk- vfer jkor u cPpk }kjk cuk, x, çkstDVk dk ckjhdh l fujh{k.k fd;k vkj mul mudk dk;l dju d rjhd vkfn d ckj e tkudkjh yhA e[; vfrfFk u dgk fd Ldy d Nk=&Nk=kvk u cM ifjJe l ckjhdh d lkFk ;i çkstDV r|;kj fd, gA fo|kfFk;k }kjk Hkkjrh; lH;rk vkj ijEijk d vu|lkj e,My cuku pkfg, ftl dh >yd e>bl fo|ky; d cPpk }kjk cuk, x, e,Myk e n[ku dk feyh gA ç/kkukpk;l Mk- txnh'k 'kek u dgk fd çn'kuh dk n[kdj dg ldrk g fd Nk=&Nk=kvk dh egu o ;kX;rk rkjhQ d ;kX; g vkj fuf'pr gh ;l gkugkj Nk=&Nk=k,i vku okyy le; e viu ifjokj o fo|ky; dk uke jk'ku djxA foKku çn'kuh dk e[; mi'; vku okyh fnuk e n'k d fy, u, oKkfud r|;kj djuk vkj n'k dk fodkl'khy n'kk dh J.kh e [kMk djuk gA foKku çn'kuh dk n[ku gr| uxj d x.kekU; ykx o vfHkHkkod Hkh mifLFkr FkA

(खबर के फोटो पेज.४ पर)

निजी तिजोरी से ८५ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

नयी दिल्ली, १३ जनवरी। आयकर विभाग ने कालेधन के खिलाफ अभियान तेज करते हुये आज एक निजी तिजोरी की तलाशी में कुल ८५ करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, सोना-चांदी और अभूषण जब्त किये हैं।

सूत्रों ने बताया कि ताजा मामले में जांच शाखा के अधिकारियों ने तिजोरी से २३ करोड़ रुपये से अधिक के सोने के आभूषण, बिस्कुट, बेशकीमती पत्थर और नकदी बरामद की। विभाग ने राजधानी के साऊथ एक्सटेंशन इलाके में सप्ताह भर में निजी तिजोरी में स्थित कई लाकरों से ६१ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की।

अभियान से जुड़े सूत्रों के मुताबिक कुल ८५.२ करोड़ रुपये के गुप्तकोष में ८ करोड़ रुपये की नकदी, अधिकतम २००० रुपये के नोट जब्त किये गये, जबकि बाकी मूल्य के सोना-चांदी, आभूषण, हीरे और अन्य बेशकीमती पत्थर बरामद किये। पता चला है कि यह संपत्ति दिल्ली में बिल्डर, गुटखा व्यापारी और कुछ करोबारियों की है। सूत्रों ने बताया कि विभाग ने अवैध रूप से तिजोरी रखने वाले लोगों के खिलाफ चोरी और बेनामी संपत्ति कानून के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक ये मामले नोटबंदी के बाद पाये गये कालेधन से जुड़े हैं। कुछ अन्य मामलों की नये बेनामी कानून के तहत जांच की जा रही है। लाकरों को अब खोल दिया गया है और बेहिसाब संपत्ति जब्त की गयी। इन संपत्तियों का कथित तौर पर खुलासा नहीं किया गया था और इन्हें तिजोरियों में छिपाकर रखा गया था। बता दें कि कानून की नजर में बैंक लाकरों की तरह काम करने वाले निजी लाकर या तिजोरियां गैर कानूनी हैं।

महाराष्ट्रः सड़क दुर्घटना में 5 पहलवानों समेत 6 की मौत

मुंबई, १३ जनवरी। महाराष्ट्र के सांगली जिले में शुक्रवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में पांच पहलवानों और एक चालक की मौत हो गई। दुर्घटना शुक्रवार देर रात एक बजे के आसपास उस समय घटित हुई जब पहलवानों को ले जा रही एसयूवी की भिड़ंत गन्ना लदे एक ट्रैक्टर से हो गई। दुर्घटना में पहलवानों सहित अन्य पांच घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पहलवान क्रांति कुश्ती संकुल संस्थान के हैं। संस्थान के सचिव शरद लाड ने कहा, हमारे लिए यह बेहद दुखद और स्तब्ध कर देने वाला है। वे सतारा में हुई एक कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेकर लौट रहे थे। विस्तृत ब्यौरा आना अभी बाकी है।

मनी लॉन्ड्रिंग: आंध्रा बैंक के पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

नयी दिल्ली, १३ जनवरी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्रा बैंक के एक पूर्व निदेशक को मनी लांड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गुजरात की फार्मा कंपनी से संबंधित 5,000 करोड़ रुपये की बैंक ऋण धोखाधड़ी के सिलसिले में हुई है। ईडी ने बैंक के पूर्व निदेशक अनूप प्रकाश गर्ग को कल शाम गिरफ्तार किया।यह इस मामले में दूसरी गिरफ्तारी है। एजेंसी ने पिछले साल नवंबर में इसी मामले में दिल्ली के कारोबारी गगन धवन को यहां गिरफ्तार किया था। गर्ग को मनी लांड्रिंग रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्हें एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। गर्ग को इस मामले में ईडी और सीबीआई ने आरोपी बनाया है। ईडी ने सीबीआई की एफआईआर पर संज्ञान लेते हुए मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया था।

ओएनजीसी का हेलीकाप्टर क्रैश, 4 मरे

मुंबई, १३ जनवरी। सात लोगों को लेकर ओएनजीसी के उत्तरी क्षेत्र की ओर जा रहा पवन हंस का एक हेलीकॉप्टर शनिवार को मुंबई के तट पर लापता हो गया. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. वहीं जानकारी के अनुसर हेलीकॉप्टर का मलबा मिल गया है. चार लोगों की मौत हो गयी है. भारतीय नौसेना ने एक पनडुब्बी और एक टोही विमान को लापता हेलीकॉप्टर की तलाश के लिए लगाया है, कोस्ट गार्ड को तलाश के दौरान चार लोगों का शव मिल गया है. वहीं इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नेवी और कोस्ट गार्ड अपना काम कर रहे हैं. मैं स्व्वयं इस मामले में समन्वय बैठाने के लिए मुंबइ रवाना हो रहा हूं. इस मामले को लेकर रक्षा मंत्री से भी बात हुई है. वो भी नेवी और कोस्ट गार्ड के संपर्क में हैं. तटरक्षक ने बताया कि कुछ मलबे का पता चला है. तटरक्षक ने विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया. उन्होंने बताया कि दाऊफिन एन3 हेलीकॉप्टर ने सुबह दस बजकर 25 मिनट पर जूहू एयरोड्रोम से उड़ान भरी. इस हेलीकॉप्टर का रजिस्ट्रेशन नंबर वीटी-पीडब्ल्यूए है और इसमें ओएनजीसी के पांच कर्मचारी तथा दो पायलट सवार थे।

लखनऊ के विभूतिखंड में सो रहे चार मजदूरों की मौत

लखनऊ, १३ जनवरी। विभूतिखंड में शहीद पथ पर स्थित होटल रंजीश के बेसमेंट में सो रहे चार मजदूरों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार सुबह चारों के शव कमरे में मिले, जिसका दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस के मुताबिक कमरे के अंदर तसले में कोयले की राख मिली है। अधिकारियों का कहना है कि मजदूरों ने ठंड से बचने के लिए अलाव जलाया था। कमरा बंद होने से कोयले का धुआं अंदर भरता गया। कॉबर्न डाई ऑक्साइड सृजित होने से मजदूरों की मौत हो गई।वहीं घरवालों का कहना है कि मृतकों की नाक व मुंह से खून निकला था। इसके अलावा उनके कपड़े भी फटे थे। इस बिना पर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए हंगामा कर दिया।

योगी मंत्रिमण्डल में बदलाव के संकेत

लखनऊ, १३ जनवरी । उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद से ही सरकार और संगठन दोनो में बदलाव होने की अटकलें पिछले कई महीने से लगाई जा रही हैं। योगी मंत्रिमंडल में फेरबदल तो पहले होना था लेकिन निकाय चुनाव की वजह से यह टल गया था। लेकिन भाजपा सूत्रों ने बताया कि मकर संक्रांति के बाद 20 जनवरी तक योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में बदलाव दिखाई दे सकता है। सरकार के बाद संगठन में भी बदलाव होगा और कई जिलाध्यक्षों की छुट्टी होगी एवं कई मोर्चो के अध्यक्ष बदले जा सकते हैं। दरअसल कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर सरकार, संगठन और आरएसएस के बीच एक समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें वरिष्ठ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबोले और कृष्णगोपाल ने शिरकत की थी वहीं संगठन की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय और दोनों उपमुख्यमंत्री भी उपस्थित थे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, समन्वय बैठक में तय हुआ था कि मकर संक्रांति के बाद पहले सरकार की रूपरेखा बदली जाए फिर संगठन का कायाकल्प किया जाए।

लखनऊ के एसएसपी की हैसियत ही क्या है-अखिलेश

लखनऊ, १३ जनवरी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ की वीआइपी क्षेत्र की सड़कों पर छह जनवरी को आलू फेंके जाने के मामले में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कूद पड़े हैं। समाजवादी पार्टी से जुड़े दो लोगों की कन्नौज से गिरफ्तारी के बाद अखिलेश यादव ने आज मीडिया से कहा कि इस 'बड़े' मामले को खोलने वाले लखनऊ के एसएसपी दीपक कुमार को तो मैं भविष्य में यश भारती से सम्मानित करूंगा। अखिलेश यादव ने आज लखनऊ में छात्रसंघ के तमाम पदाधिकारियों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में आलू फेंके जाने वाले मामले में समाजवादी पार्टी की भूमिका बताने वाले एसएसपी वाकई में बहुत काबिल अफसर हैं। उनको शायद पता नहीं है कि प्रदेश में कोल्ड स्टोर में आलू बर्बाद हो रहा है। हर किसान ने कर्ज ले रखा है। अगर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता किसान हैं और वह कन्नौज से लखनऊ आलू लाए तो क्या गुनाह कर दिया।

लखनऊ के एसएसपी की हैसियत क्या है। यह एसएसपी चोर और अपराधियों को नहीं रोक पाए रहे हैं। जिनको कानून व्यवस्था सही करनी हो वह आलू किसानों को गिरफ्तार कर रहे हैं। एसएसपी के घर के पास में ही पूर्व विधायक के बेटे की हत्या हो गई। अगर आलू हमारे नेताओं ने फेंका तो क्या गलत किया। अब हम किसानों से कह रहे कि एक-एक बोरी आलू जिले के डीएम को दें। उसके बाद एक-एक छुट्टा जानवर भी हर जिले के डीएम को देंगे। सरकार के रवैये से कानून व्यवस्था सही नहीं होगी।

अखिलेश यादव ने सपा कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा अब कहीं सुन रहे हैं छापा पड़ा, (शेष पृष्ठ ३ पर)

यूपी में रिलीज होगी फिल्म पद्मावत-योगी

नई दिल्ली, १३ जनवरी। राजस्थान, गुजरात और मध्यप्रदेश में बैन होने के बाद पद्मावत को इस राज्य में हरी झंडी मिल गई है। जी हां, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये साफ कह दिया है कि यूपी में तो फिल्म रिलीज होगी। सीएम योगी का कहना है कि अब ऐसा आखिर क्या है कि फिल्म की रिलीज में अड़ंगा लगाया जाए। बीजेपी शासित कुछ प्रदेशों में पहले ही इस फिल्म को बैन करने की बात सामने आ रही है, लेकिन यूपी में ठीक इसका उल्टा है। उत्तर प्रदेश को संजय लीला भंसाली की इस फिल्म से कोई एतराज नहीं है। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि चूंकि यूपी में विधानसभा चुनाव हो चुके हैं और राजस्थान, मध्यप्रदेश में होने वाले हैं तो राजपूत कार्ड का फायदा यहीं मिलेगा। (शेष पृष्ठ ३ पर)

लोकतंत्र खतरे में है तो नरेन्द्र मोदी सरकार के मंत्री भी आवाज उठायें-यशवंत सिन्हा

नयी दिल्ली, १३ जनवरी। सुप्रीम कोर्ट के 4 जजों की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बहाने बीजेपी नेता यशवंत सिन्हा ने शनिवार को मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश में 1975 जैसे इमरजेंसी के हालात न बनें, इसके लिए संसद सत्र बुराकर चर्चा की जाए। अगर पार्टी नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों को भी लगता है कि लोकतंत्र पर खतरा है। फिर उन्हें भी निडर होकर जजों की तरह इसके बचाव में खड़े होना चाहिए। बता दें कि शुक्रवार को जजों ने पहली बार मीडिया के सामने आकर सीजेआई के कामकाज के तरीकों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने लोकतंत्र पर खतरे की बात भी कही थी।

सिन्हा ने कहा, देश में इमरजेंसी जैसे हालात न बनें, इसके लिए संसद का छोटा सेशन बुलाकर आवाज उठानी चाहिए। अगर संसद को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है तो लोकतंत्र खतरे में है। अगर सुप्रीम कोर्ट के 4 जज मीडिया के सामने आकर यह बोलते हैं कि लोकतंत्र पर खतरा है, हमें उनके शब्दों को गंभीरता से लेना चाहिए। सभी नागरिक जो लोकतंत्र के बारे में सोचते हैं, उन्हें बोलना चाहिए। मैं पार्टी (बीजेपी) नेताओं और केबिनेट के मंत्रियों से अपील करता हूं कि डर छोड़कर आवाज उठाएं।

यशवंत सिन्हा ने आगे कहा कि 4 जजों ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सुप्रीम कोर्ट के संकट को उठाया। उन्होंने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के खिलाफ आवाज उठाई। लेकर पब्लिक कर देश को बताया कि सीजेआई अपनी मर्जी से केस और ज्यूडिशियल ऑर्डर पसंदीदा बेंच को ट्रांसफर करते हैं। इसी तरह देश के प्रधानमंत्री भी सभी मंत्रियों के बराबर हैं, लेकिन सरकार में प्रथम मंत्री हैं। (शेष पृष्ठ ३ पर)

ईडी का चिदंबरम के 5 ठिकानों पर छापा

●कांग्रेस ने साधा प्रधानमंत्री पर निशाना ● निदेशालय को धन शोधन कानून के तहत जांच करने का अधिकार नहीं है-पी.चिदंबरम

नयी दिल्ली, १३ जनवरी। पूर्व वित्तमंत्री पी.चिदंबरम के पुत्र कार्ती चिदंबरम की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज एयरसेल मैक्सिस मामले में एक बार फिर से कार्ती के दिल्ली और चेन्नई स्थित आवासों पर छापेमारी की है। इस छापेमारी पर पी.चिदंबरम ने अपनी प्रतिकिया में कहा कि उन्होंने तलाशी ली, लेकिन उनको कुछ नहीं मिला। साथ ही उन्होंने सरकार के संसद में दिये गये बयान का हवाला देते हुये कहा कि निदेशालय को धन शोधन कानून के तहत जांच करने का अधिकार नहीं है। मालूम हो कि कार्ती चिदंबरम एयरसेल मैक्सिस मामले में धन शोधन के आरोपों का सामना कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान चेन्नई में कार्ती की चार और दिल्ली में एक संपत्तियों की तलाशी ली गयी। कार्ती के अधिवक्ता ने भी बताया कि जांच में अधिकारियों को कुछ भी नहीं मिला है। आरोप है कि एयरसेल मैक्सिस सौदे को वर्ष २००६ में विदेशी व्यापार संवर्धन बोर्ड द्वारा जब मंजूरी दी गयी थी तो उस समय पी.चिदंबरम वित्तमंत्री थे। जांच एजेंसी का कहना है कि बोर्ड ने इस मामले में अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करते हुये उस निवेश राशि को मंजूरी दी, जिसके लिये वह अधिकृत नहीं है। हालांकि चिदंबरम ने इन आरोपों का खंडन करते हुये कहा कि तय नियमों और प्रक्रियाओं के तहत यह मंजूरी दी गयी थी। चिदंबरम ने कहा कि कार्ती के खिलाफ अभी तक सीबीआई या अन्य किसी भी अन्य एजेंसी ने केस दर्ज नहीं किया है। मुझे अंदेशा था कि चेन्नई वाले मेरे घर में वे दोबारा छापेमारी के लिये आयेंगे, लेकिन हास्यास्पद बात यह रही कि ये लोग दिल्ली के जोरबाग भी गये और अधिकारियों ने मुझे बताया कि उनका ऐसा मानना था कि वहां स्थिति घर के मालिक कार्ती हैं, जबकि ऐसा नहीं है।

वहीं कांग्रेस ने इन छापेमारियों पर अपनी प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार पर निशाना साधा है। (शेष पृष्ठ ३ पर)